दिन– शुक्रवार दिनांक– 04/04/2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– प्रातः 08.48 बजे से। अवधिः– 15 मिनट

---

01. प्रसिद्ध अभिनेता मनोज कुमार का निधन। सत्तासी वर्ष की उम्र में मुम्बई में ली अंतिम सांस।

02. राज्यसभा में भी वक्फ संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस पारित। लोकसभा ने कल इसे दी थी मंजूरी।

03. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस के पारित होने पर खुशी जताते हुये इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया।

04. और, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ लोक आस्था का महापर्व चैती छठ संपन्न।

प्रसिद्ध अभिनेता मनोज कुमार का आज मुंबई में निधन हो गया। उन्होंने सत्तासी वर्ष की उम्र में ईलाज के दौरान अंतिम सांस ली। फिल्म और सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें देश के सबसे बड़े फिल्म सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया था। अभिनेता के पुत्र कुणाल गोस्वामी ने कहा कि उनके पिता लंबे समय से बीमार चल रहे थे। देशभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों के लिए वे विख्यात थे और उन्हें इसके लिए भारत कुमार के नाम से भी जाना जाता था। उपकार, शहीद, क्रांति, रोटी कपड़ा और मकान, पत्थर के सनम सहित उन्होंने अनगिनत फिल्म में अभिनय किया। मनोज कुमार ने बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्देशन और निर्माण भी किया। वे अपनी विशेष कला और भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हमेशा याद रखें जाएंगे।

---बाईट---

वक्फ संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस को राज्यसभा ने बारह घंटे की चर्चा के बाद मंजूरी दे दी है। एक सौ अट्ठाईस सदस्यों ने संशोधन विधेयक के पक्ष में और पंचानवे सदस्यों ने विपक्ष में मतदान किया। लोकसभा से यह विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में विधेयक पारित होने की घोषणा की।

---बाईट---

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि इस अधिनियम से मुस्लिम समुदाय के करोड़ों निर्धन लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस का उद्देश्य विरासत स्थलों के संरक्षण और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के प्रावधानों के साथ वक्फ परिसंपत्तियों का समुचित प्रबंधन करना है।

———बाईट———

श्री रिजिजू ने कहा कि वक्फ प्रबंधन में पारदर्शिता और बोर्ड तथा स्थानीय प्राधिकरणों के बीच समन्वय बढ़ाकर प्रशासन में सुधार लाना है। विधेयक का लक्ष्य मुस्लिम महिलाओं, विशेषकर विधवा और तलाकशुदा महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिाति में सुधार लाना भी है। इसके तहत वक्फ बोर्ड में विभिन्न मुस्लिम संप्रदायों और महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर, बेहतर प्रशासन के लिए वक्फ बोर्ड को अधिक समावेशी बनाया जायेगा। विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए उन्होंने कहा कि केवल मुस्लिम समुदाय ही वक्फ से लाभान्वित होंगे और वक्फ परिसंपत्तियों के प्रबंधन में किसी भी गैर मुस्लिम का हस्तक्षेप नहीं होगा। संसद ने मुसलमान वक्फ निरसन विधेयक दो हजार चौबीस, को भी मंजूरी दे दी है। यह विधेयक मुसलमान वक्फ अधिनियम दो हजार तेईस का स्थान लेगा।

————————————————————

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस के पारित होने पर खुशी जताते हुये कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नया वक्फ कानून बनने से सामाजिक, आर्थिक और न्याय में पारदर्शिता आयेगी और समावेशी विकास को बल मिलेगा। श्री मोदी ने कहा कि यह विधेयक वैसे लोगों की आवाज बनके उन्हें मजबूती प्रदान करेंगा जो अब तक वंचित थे।

————————————————————

वक्फ संशोधन विधेयक पर विभिन्न दलों के नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा और जदयू ने इसे सही कहा तो राजद ने इसे पूरी तरह गलत बताया। जदयू के राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने विपक्षी दलों पर मुस्लिम समुदाय में भ्रम फैलाकर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

———बाईट———

वक्फ संशोधन विधेयक राज्यसभा में पारित होने पर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि संसद में कृषि कानून भी पारित हुए थे। उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों की तरह ही लोगों के मन में इस कानून के लिए भी असंतुष्टि है।

———बाईट———

————————————————————————

वक्फ संशोधन विधेयक– दो हजार पच्चीस के पारित होने के बाद देश भर में प्रमुख नेताओं ने इसका स्वागत किया है। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ के अध्यक्ष शारिक अदीब ने कहा है कि यह विधेयक वक्फ बोर्ड के प्रबंधन और शासन में जरूरी पारदर्शिता लाएगा।

———बाइट———

वक्फ कहीं नहीं जा रहा, वक्फ महफूज़ था, महफूज है और महफूज़ रहेगा, मुसलमानों के हाथ में रहेगा। बस उसमें जो गलतियां हैं, मिसमेनेजमेंट है, वो सही होगा और अगर कोई गवर्नमेंट बेवाओं को, गरीब बच्चों को, मिसकिनों को, नादारों को, पशमानां मुसलमानों को उनका हक और हकूक देने की बात करती है, तो इसमें इतनी घबराने की बात क्या। बस ये है कुछ लोगों के पास में ये पूरी पावर थी अब वे चली जाएगी, इसलिए ये लोग हंगामा कर रहे हैं।

पूर्व सांसद और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एजाज अली ने कहा कि विधेयक गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों के हित में है।

———बाइट———

————————————————————————

लोक आस्था की चार दिवसीय महापर्व चैती छठ आज उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही संपन्न हो गया।

———म्यूजिक———

राजधानी पटना समेत प्रदेशभर की प्रमुख नदियों गंगा, कोसी, गंडक, बागमती, और सोन के अलावा तालाबों, जलाशयों और अस्थायी घाटों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भागवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। विभिन्न जिलों से हमारे संवाददाताओं ने बताया है कि जगह–जगह मठ और मंदिरों की सजावट की गयी थी। व्रतियों ने अपने घरों के बाहर और छतों पर बने अस्थायी जलाशयों में भी अर्घ्य दिया। इसके बाद छठ व्रतियों ने पारण करने के बाद प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही छत्तीस घंटे का निर्जला उपवास संपन्न हुआ। इस दौरान पूरे प्रदेश का माहौल भक्तिमय बना रहा। छठ गीतों से वातावरण गुंजायमान हो रहा था। जिला प्रशासन, विभिन्न छठ पूजा समितियों और स्वयं सेवी संगठनों से जुड़े लोग भी व्रतियों की सुविधा और उनके स्वागत में जुटे रहे।

———म्यूजिक———

विभिन्न जिला मुख्यालयों से हमारे संवाददाताओं ने बताया है कि व्रती भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए बड़ी संख्या में विभिन्न घाटों पर एकत्र हुये। पटना के बाढ़ स्थित पुण्यार्क मंदिर, मसौढ़ी अनुमंडल स्थित सूर्य मंदिर, दुल्हिन बाजार के उलार सूर्य मंदिर, औरंगाबाद के प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर, नवादा के हड़िया सूर्य मंदिर, नालंदा जिले में बड़गांव के बालार्क तथा औंगांरी गांव स्थित अंगार्क सूर्य मंदिर और बक्सर के राम रेखा घाट पर भी बड़ी संख्या में छठ व्रती और श्रद्धालु भगवान भास्कर की पूजा–अर्चना के लिए पहुंचे थे। इधर, हमारे औरंगाबाद संवाददाता ने बताया कि जिले के ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक स्थल देव के पवित्र सूर्य कुंड में आज प्रातः उदीयमान सूर्य को व्रतियों ने अर्ध्य अर्पित किया।

———बाईट———

नालंदा से हमारे संवाददाता ने बताया कि जिले के बड़गांव और औंगारी सूर्य मंदिर परिसर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान भाष्कर को अर्घ्य अर्पित किया।

———बाईट———

चैती छठ व्रत पर्व पर आज भारी संख्या में छठ व्रतियों ने जिले के प्रसिद्ध सूर्य धाम बड़गांव और औंगारी सूर्य धाम मंदिर में उदयमान भगवान भाष्कर को अर्घ अर्पित किया। श्रद्धालु बड़गांव और औंगारी सूर्य धाम में तंबू लगाकर पिछले चार दिनों से यहां डेरा डाले हुए थे। जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल को विभिन्न घाटों पर छठ व्रतियों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था।आकाशवाणी समाचार के लिए नालंदा से निरंजन कुमार।

————————————————————————

प्रदेश के कई हिस्सों में आज सुबह से बादल छाये हुए हैं। जिसके कारण लोगों को कड़ी धूप से राहत मिल रही है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार कल से दिन का तापमान बढ़ेगा लेकिन रात के तापमान में गिरावट होने की सम्भावना है। अगले चौबीस घंटों के दौरान गया, नवादा और जमुई जिले में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, गोपालगंज, बक्सर, कैमूर और रोहतास जिले में कुछ स्थानों पर तेज हवा के साथ मेघ गर्जन और वज्रपात का पूर्वानुमान है।

———बाइट———

————————————————————————

पटना चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की ओर से आज बिहार ट्रोपोकॉन दो हजार पच्चीस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का विषय है– एचआईवी पॉजिटिव मरीजों में परजीवी संक्रमण– एक बढ़ता हुआ खतरा। इस सम्मेलन में देशभर से दो सौ चिकित्सक शामिल हो रहे हैं।

———————————————————————

अब पटना से प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्रों की सुर्खियां.....

आज के सभी समाचार पत्रों ने राज्यसभा में भी वक्फ विधेयक पारित होने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

हिन्दुस्तान ने विधेयक के पारित होने पर लिखा है– राज्यसभा में भी वक्फ संशोधन बिल पर मुहर।

दैनिक जागरण ने इसी खबर पर शीर्षक दिया है– वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद की लगी मुहर। लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी आधी रात को पारित।

दैनिक भास्कर की बड़ी खबर है– चालीस हजार शिक्षक नहीं बनना चाहते राज्यकर्मी।

———————————————————————

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर.....

01. प्रसिद्ध अभिनेता मनोज कुमार का निधन। सत्तासी वर्ष की उम्र में मुम्बई में ली अंतिम सांस।

02. राज्यसभा में भी वक्फ संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस पारित। लोकसभा ने कल इसे दी थी मंजूरी।

03. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस के पारित होने पर खुशी जताते हुये इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया।

04. और, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ लोक आस्था का महापर्व चैती छठ संपन्न।

———————————————————————

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।

आकाशवाणी पटना से अगला समाचार बुलेटिन दोपहर बाद तीन बजकर दस मिनट पर प्रसारित किया जायेगा।